दोस्त की गर्लफ्रेंड को नंगी करके चोदा

“एक शाम मैंने हॉस्टल के एक कोने में एक लडके लड़की को चूमा चाटी करते देखा और लड़की को पहचान लिया. अगले दिन मैंने उसे खा कि किसी को नहीं बताऊंगा पर… …”

Story By: चेतन चौधरी (chintuboyy)
Posted: Tuesday, January 31st, 2012
Categories: कोई मिल गया
Online version: दोस्त की गर्लफ्रेंड को नंगी करके चोदा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोस्त की गर्लफ्रेंड को नंगी करके चोदा

हाय फ्रेंड्स... यह मेरी पहली कहानी है अन्तर्वासना पर ! वैसे मैं अन्तर्वासना का बड़ा कायल हूँ।
मैं एक साधारण सा दिखने वाला लड़का हूँ और अहमदाबाद में इंजीनियरिंग का छात्र हूँ।

तो हुआ यूँ की एक दिन मैं डिनर करने के बाद अपने फ्रेंड के साथ हॉस्टल में जा रहा था तो वो बोला- हॉस्टल का कूलर बिगड़ा है, चल कॉलेज में से ही पानी भर लेते हैं।
मैं पानी भरने चल दिया, वहाँ अँधेरा था तो मैंने मोबाइल से लाइट की और अन्दर जाकर देखा तो मेरे पैरों तले से जमीं खिसक गई,
अन्दर एक लड़का और लड़की चुम्मा-चाटी कर रहे थे।

और मैं वहाँ से अपने दोस्त को लेकर वापिस चल दिया लेकिन लड़की को मैंने पहचान लिया था उसका नाम झलक था और मेरी ही क्लास में पढ़ती थी।
दूसरे दिन जब क्लास में उसने मुझे देखा तो नज़र झुका दी, और जब मैं उसे ताक रहा था तो क्लास छोड़ कर चली गई।

मैंने उसे फेसबुक से मैसेज करके बोल दिया- डोंट वरी यार ! मैं किसी को कुछ भी नहीं बताऊँगा।
तब वो अगले दिन क्लास में आई और ब्रेक में आकर मुझे थेंक्स बोली।
मैंने उसे कहा- कोई बात नहीं यार !.. फ्रेंड्स ??
तो उसने हाँ कर दिया।

उस दिन से मैं उसके साथ फ़ेसबुक से चैट करने लगा और उसका मोबाईल नंबर भी ले लिया।

2-3 माह में हम दोनों अच्छे फ्रेंड्स बन गए और एक दिन बातों में ही मैंने उसे पूछ लिया- यार तुम लोग सेक्स करने के लिए लेडीज़ वाशरूम में भी तो जा सकते थे, बॉय्ज़ टोइलेट में क्यों गए ?

तो उसने बताया- यार जब अन्तर्वासना भड़कती है ना तो ये सब काबू में नहीं रहता.. और हमने सोचा ही नहीं कॉलेज के बाद भी कोई आएगा।
मैं हंस दिया तो वो बोली- तुम्हें मजाक लग रहा है न ये सब ?
मैंने तो बोल दिया- हाँ ! और हंस दिया..
तो उसने बोला- अब मैं भी देखती हूँ कि तुम अपने आप के कितने काबू में हो !
कह कर वो भी हंस कर चल दी..

अगले दिन मैं लाइबरेरी में बैठा असैन्मेंट्स लिख रहा था तो झलक आई और मेरी जांघों पर हाथ रख कर पढ़ाई की बातें करने लगी। अब वो 2-3 दिनों से यही कर रही थी, रोज मेरी जांघों या गाल पर हाथ फेरती या कभी चुपके से अपने बूब्स मेरे कंधों से छुआ देती।
मैंने बोला- बस करो यार, हम दोनों में दोस्ती से बढ़कर कुछ हो जायेगा !

तो वह हंस दी और मैं भी समझ गया, आखिर जवानी कब तक काबू में रहती..
अगले दिन मैं अपना लैपटॉप कॉलेज लेकर गया और उसे 2X मूवी दिखा दी। वो गर्म हो गई।
मैंने उसे बोला- चलो घूमने चलते हैं।

हम लोग परिमल गार्डन गए, यहाँ एकान्त देख कर थोड़ी देर तक चूमाचाटी की और बूब्स भी दबाये।
मेरे लिए सब पहली बार था तो बहुत मज़ा आ रहा था... हमने और कुछ नहीं किया और वापिस आ गए।
कुछ देर बाद उसने बोला- प्लीज़ मेरे बोयफ्रेंड को कुछ मत बताना, आई लव हिम टू मच..

पर अगले दिन से उसकी फिर से वही हरकतें चालू… तो मैंने बोला- इस सन्डे को हॉस्टल से छुट्टी ले ले, कहीं चलते हैं…
तो सन्डे को हम दोनों कॉलेज के बाहर मिले। वो पूरी माल लग रही थी.. हल्के गुलाबी टॉप और ब्लू जींस में.. और हल्टर नेक ब्रा की स्ट्रिप्स पहले से कहर ढा रही थी..

बाइक पर पहले वस्त्रापुर झील गए, वो उस दिन नए ही जोश में थी, उसने मुझे जोरों से स्मूच किया और हम काफ़ी देर तक चूमते रहे, मैं उसके उरोज दबाता रहा.. कभी उसके टॉप में हाथ डाल देता और वो भी मेरी पेंट की जिप खोल कर सहला रही थी..
बाद में मैंने अपने एक फ्रेंड से गेस्ट हॉउस का पता लिया और चल दिए..

वो अपने काबू में नहीं थी बाइक पर भी बार बार मेरे पप्पू को सहला रही थी और कान चूम रही थी।

गैस्ट हाउस में कमरे में जाते ही उसने मुझे किस किया तो मैंने भी उसे पटक दिया और चूमने लगा.. उसके सारे अंगों को कपड़ों के ऊपर से ही चूमता रहा और ऐसे ही आधा घण्टा बीत गया। फ़िर मैंने हौले हौले उसके कपड़े उतारे.. मैं पहली बार में किसी लड़की को इतने कम कपड़ों में देख रहा था.. क्या बदन था यार..

उसने काली ब्रा-पेंटी का जोड़ा पहना था, अपनी नजरों से मैंने उसका फिगर नापा जोकि 32-26-34 लग रहा था !
मैं उसे ब्रा पैन्टी के ऊपर से ही चूमने लगा..
अब मैं उसकी पैंटी उतार कर उसकी चूत चाट रहा था जोकि एकदम साफ़ और गीली थी, क्या महक थी उसमें !आह्ह..
वो भी मदहोशी के बादलों में घिर रही थी और आहें तेज हो रही थी…

मैं धीरे से उसके ऊपर गया और बूब्स दबाने लगा, अब वो उत्तेजना के पसीने से पूरी भीग

चुकी थी..
मैंने उसे कहा- अब तुम मेरे कपड़े उतारो !

उसने मेरे कपड़े उतारे और मेरा छोटा भाई पप्पू गप से अपने मुँह में ले लिया... और देर तक चूसती रही, इस कदर कि मैं एक बार तो उसके मुँह में ही झड़ गया पर मेरा पप्पू फ़िर से खड़ा हो गया..

बाद में मैंने अपना साढ़े छः इंच का लण्ड उसकी चूत पर टिका दिया और धीरे से अन्दर किया... हालाँकि वो एक दो बार सेक्स कर चुकी थी तो खून तो नहीं निकला लेकिन उसका कसाव गजब का था..
मेरा पहली बार था तो थोड़ी चमड़ी कट गई लेकिन मैं धीरे धीरे धक्के देने लगा और गति बढ़ाई।

अब उसकी और मेरी मादक आहें कमरे में गूंज रही थी, मैं कभी उसके बूब्स तो कभी कान चाट रहा था और कभी उसकी गांड में भी उंगली कर रहा था।
वो चिल्ला रही थी- फक मी हार्ड !आह और जोर से... आह चिंटू !माह लवली फ्रेंड !और डाल !
बीच में गाली बक रही थी तो मैंने भी उससे कहा- डोंट वरी जान !आज तुझे नहीं छोडूंगा..

करीब आधे घंटे तक की चुदाई-रगड़ने के बाद वो झड़ गई और मैं अपने पप्पू को बाहर निकाल कर उसके पेट पर झड़ गया।
हमने गेस्ट हाउस छोड़ा और मॉल में घूमने चल दिए...

खूब घूमने के बाद शाम को 8 बजे आये तो उसने बाइक से उतर कर मुझे किस किया और मेरा हाथ पकड़ा और उसी टोइलेट में ले गई जहाँ मैंने उसे पहली बार सेक्स करते देखा था..

हमने वहाँ भी चूमना चालू किया और उसको वहाँ भी आधे घंटे तक किया, वो झड़ गई और इस बार मैंने उसके मुँह में दे दिया और मुँह में ही झड़ गया..

अब हमने कपड़े ठीक किये और उसने जाते जाते कहा- यार, मेरे बॉय फ्रेंड को पता नहीं चलने देना, आई लव हिम टू मच..

आपके मेल स्वीकार्य हैं…

chintuboyy@gmail.com